संत ज़ेवियर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय - 54

कक्षा–9 द्वितीय फॉरमेटिव परीक्षा – 2014-15 पूर्णांक–20

दिनाँक–27.11.2014 हिन्दी समय–1 घंटा

निर्देश – 1. प्रश्नों के सही विकल्प शब्दों में लिखिए।
2. भाग 'क' और 'ख' के प्रश्न अलग–अलग कीजिए।

भाग 'क'

I 1. 'दुर्' उपसर्ग से एक शब्द बनाइये। (½)

2. 'आऊ' प्रत्यय से शब्द बनाइये। (½)

II 1. 'रामोपासक' समस्तपद में निहित समास का नाम लिखिए। (½)

2. 'तीन फलों का समूह' समास विग्रह का समस्त पद लिखिए। (½)

III 1. प्रस्तुत पंक्तियों में कौन–सा अलंकार नहीं है? (½)

मेघमय आसमान से उतर रही,
संध्या सुंदरी परी–सी धीरे–धीरे।

i. मानवीकरण ii. उपमा iii. अनुप्रास iv. यमक

2. 'जुड़ गई जैसे दिशाएँ' पंक्ति में निहित अलंकार बताइये। (½)

IV. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए। (200 शब्दों में) (5)

1. मेरी प्रिय पुस्तक/मेरा प्रिय उपन्यासकार 2. नैतिक पतन : देश का पतन
3. आत्मनिर्भरता

भाग 'ख'

V. निम्न पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (1x3=3)

चित्रकूट की अनगढ़ चौड़ी
कम ऊँची–ऊँची पहाड़ियाँ
दूर दिशाओं तक फैली हैं।
बाँझ भूमि पर
इधर–उधर रींवा के पेड़
काँटेदार कुरूप खड़े हैं।

1. कवि तथा कविता का नाम लिखिए।
2. चित्रकूट की पहाड़ियों की क्या विशेषताएँ हैं?
3. पंक्तियों में प्रयुक्त कोई दो अलंकार उदाहरण सहित बताइए।

VI. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. नाना साहब की पुत्री को क्यों जलाया गया? (1½)
2. ''तुम पर्दे का महत्व ही नहीं जानते, हम पर्दे पर कुर्बान हो रहे हैं'' पंक्ति में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। (1½)

VII. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. गोपाल प्रसाद के विचार आधुनिक समाज के लिए घातक हैं, कैसे? (1½)
2. माटी वाली के पास अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में ज़्यादा सोचने का समय क्यों नहीं था? (1½)

VIII. नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

टोपी आठ आने में मिल जाती है और जूते उस ज़माने में भी पाँच रुपये से कम में क्या मिलते होंगे। जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है। अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं। तुम भी जूते और टोपी के आनुपातिक मूल्य के मारे हुए थे।

1. पाठ व लेखक का नाम लिखिए। (1)
2. ''जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है। अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं।'' – इस पंक्ति में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए। (2)

*****